Class - vii

Subject - 2nd Language Hindi

Chapter - 3 पेड़ - पौधों की कहानी

सारांश

लेखक ने "पेड़ - पौधों की कहानी" के माध्यम से पेड़ पौधे के अंकुरित होने से लेकर जीवन की समाप्ति का वर्णन किया है बताते हैं कि हम मनुष्य के लिए पेड़-पौधे कितने उपयोगी हैं, परंतु फिर भी मानव अपने सुख के लिए किस तरह से पेड़ पौधों का सर्वनाश कर रहा है।

यह पेड़ पौधों की आत्मकथा है। पेड़ पौधे कहते हैं भूमि उनकी माता है उनका जन्म उनके गर्भ से हुआ है और इसी से वे अपनी जड़ों द्वारा रस तथा अन्य तत्वों को ग्रहण करते हैं। सूर्य उनका पिता है, वह उन्हें ताप शक्ति मेघों को उत्पन्न कर जल आदि देता है। बीज के रूप में हम मिट्टी के नीचे दबे पड़े रहते हैं । ज्यौं ही वर्षा की शुरुआत होती है, हम जमीन को छोड़कर अंकुर के रूप में बाहर आ जाते हैं। अंकुर का एक भाग मिट्टी के अंदर रहता है, जो जड़ बन जाता है और धरती के ऊपर वाला भाग तना बन जाता है।

पेड़ पौधे भी मनुष्य की तरह भोजन करते हैं। उनके दांत नहीं होते हैं इसलिए वे केवल तरल पदार्थों और वायु से भोजन ग्रहण करते हैं। मिट्टी में पानी डालने से उसमें अनेक पौष्टिक तत्व घूल जाते हैं जिन्हें पेड़ पौधे सोख लेते हैं। पेड़ पौधे वायु से भी आहार ग्रहण करते हैं। जो वायु हमारे लिए हानिकारक है उसका सेवन करके वे उसे शुद्ध करके हमारे लिए छोड़ देते हैं इस शुद्ध वायु में सांस लेकर हम अपने स्वास्थ्य का निर्माण करते हैं।

इसके अतिरिक्त प्रकाश पेड़- पौधों के जीवन का मूलमंत्र है। सूर्य की किरणें ना मिलने पर पेड़-पौधे जीवित नहीं रह सकते। सूर्य के किरणों का स्पर्श पाकर वे विकसित होते हैं। सूर्य की किरणें इनके अंग-अंग में बसी हुई है। हम लोग जो लकड़ी जलाते हैं, उसमें से जो प्रकाश और ताप बाहर आता है, वह सूर्य की ऊर्जा होती है।

पेड़ पौधों की अनेक जातियां -प्रजातियां हैं। घास, लताएं ,झाड़ियां, वनस्पतियां तथा सामान्य वृक्ष इनकी प्रमुख जातियां हैं। पेड़ पौधे हमें अपनी जड़े- पत्ते ,छाल, फल, फूल, लकड़ी आदि देकर हमारा जीवन चलाते हैं ।अपनी छाया से हम प्राणी मात्र को सूर्य देव के उग्र ताप से बचाते हैं।ये हमें अनाज, दालों और सब्जियों के अनेक पोषक तत्व प्रदान करते हैं। पेड़ पौधे अपनी जड़ों द्वारा मिट्टी को बांधकर भू-क्षरण के अभिशाप से भूमि को बचाते हैं। पेड़ पौधे अपने पत्तों द्वारा वायुमंडल को शीतल करके मेघ को बरसने का निमंत्रण देते हैं। इस प्रकार पेड़ पौधे हमारा, पशुओं का, पक्षियों का और कीट पतंगों का कल्याण करते हैं और चाहते हैं कि वेअपने जीवन से हमारा सदा उपकार करते रहें।

पर निर्दयी मानव अपने स्वार्थ के लिए पेड़-पौधों विनाश करते जा रहा है। वह इस बात को नहीं समझता है कि पौधों के नाश में ही उनका नाश है और उनकी वृद्धि में ही हमारी वृद्धि है। जहां मानव ने पेड़ पौधों का सर्वनाश कर डाला है, वह स्थान आज मरुस्थल बन गए हैं। वहां ताप और शीत दोनों ही उग्रता से अपना प्रभाव छोड़ते हैं। वहां मेघ बन ही नहीं पाते आज वर्षा बहुत कम होती है। इसलिए पेड़ पौधे मानव से निवेदन करते हैं कि यदि अपना, तथा अन्य प्राणियों का कल्याण चाहते हो, तो हमें नष्ट मत करो हमारे बढ़ाने और हमारी रक्षा करने में ही तुम्हारा कल्याण है, मंगल है, सुख है, शांति है। लेखक ने पेड़ पौधों की संख्या को बढ़ाने के लिए हर व्यक्ति से प्रण करने को कहता है कि वे अपने जन्मदिन पर एक पेड़ अवश्य लगाएं।

प्र १. शब्दार्थ लिखिए :

1.जीवन गाथा

2.तनिक

3.दुर्दशा

4.मरुस्थल

5.प्रण

प्र २.नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. दूषित वायु और प्राण दायक वायु के नाम लिखें।

2. पेड़ पौधे मनुष्य से क्या निवेदन कर रहे हैं?

3. कैसे पता लगता है कि लकड़ी में सूर्य की ऊर्जा होती है?

4. पौधे मिट्टी से क्या सोख लेते हैं?

5. पौधों के कौन-से अंग धरती के अंदर होते हैं और कौन-से धरती के बाहर?

प्र 3. नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

हमारी अनेक जातियां प्रजातियां हैं। झाड़, लताएं ,झाड़ियां वनस्पतियां तथा सामान्य वृक्ष हमारी प्रमुख जातियां हैं। हम मनुष्य को अपनी जड़े- पत्ते,छाल, फल, फूल, लकड़ी आदि देकर उसका जीवन चलाते हैं।

अपनी छाया से हम प्राणी मात्र को सूर्य देव की उग्रता से बचाते हैं। अनाज दालों और सब्जियों के पौधे मेरे छोटे भाई बहन हैं जो अनेक पोषक तत्व प्रदान करते हैं। हम जड़ों द्वारा बांधकर भू-क्षरण के अभिशाप से भूमि को बचाते हैं।

1. पेड़-पौधे की मुख्य जातियों के नाम लिखें।

2. पेड़-पौधे किस प्रकार हमारा उपकार करते हैं?

3. पेड़ पौधे किस तरह से वायुमंडल को शीतल और शुद्ध रखते हैं?

4. शब्दों के अर्थ लिखिए- स्वार्थ ,उग्रता ,ऊर्जा

Grammar

Home Work

1. विलोम शब्द लिखिए:

१. अंत

२. आभ्यंतर

३. आश्रित

४. उत्कर्ष

५. क्रय

६.इष्ट

७. गमन

८. गुण

९ .गहरा

१०.कृत्रिम

प्र 2. नीचे दिए शब्दों के दो- दो पर्यायवाची शब्द लिखिए:

१. अमृत

२. अभिमान

३. ईश्वर

४. उत्तम

५.उद्यान

६. उन्नति

७. कृषक

८. झंडा

९. दिवस

१०. धन

प्र 3. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक एक शब्द लिखिए-

१. जिसका मूल्य न आंका जा सके-

२. जिसके समान कोई दूसरा ना हो-

३. किए गए उपकार को मानने वाला-

४. समान अवस्था का -

५. सदा रहने वाला-

६. विष को धारण करने वाला-

७. बिना सोचे-समझे किया गया विश्वास-

८. अचानक हो जाने वाली घटना-

९. वह भूमि जो उपजाऊ न हो-

१०. पत्तों की बनी कुटिया-